मानव जीवन विकास समिति
वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन
वर्ष 2015–16

E-mail:mjvskatni@gmail.com
website. www.mjvs.org.in

ग्राम बिजौरी पोस्ट मझगवां जिला कटनी म.प्र.
फोन नं. 07626–275223, 275232

vuØef.kdk

Ø-	fo"k;	i"B Ø-
1-	समिति की सामान्य जानकारी	3
2-	पृष्ठभूमि, विजन एवं मिशन	4
3-	समिति का परिचय, ट्रेनिंग सेंटर, आवासीय व्यवस्था	5
4-	समिति मे उपलब्ध सुविधायें	6
5-	कार्यक्षेत्र, उद्देश्य	7
6-	समिति की मुख्य गतिविधियां – प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन स्वच्छता प्रबंधन जैविक कृषि, वृक्षारोपण जड़ी बूटी संगृह एवं संवर्धन पंचायतीराज एवं महिला सशक्तिकरण गरीमा परियोजना (तमादी ग्रुप) बैगा विकास कार्यक्रम शिक्षा सपोर्ट रिस्क फण्ड सपोर्ट डाबर सीएसआर (मधुमक्खी पालन) भीम कोटी नेशनल क्वार्डिनेशन	8&13
7-	समिति की अन्य गतिविधियां – संगठनात्मक बैठक इकोनॉमिक गतिविधियां बैगा विकास प्राधिकरण कार्यक्रम राष्ट्रीय पर्व	14&15
8-	मीडिया कवरेज	16

lfefr dh lkekU; tkudkjh &

Ø-	uke	i:th;u
1-	समिति का रजिस्ट्रेशन एवं दिनॉक	JK 5050 –28/11/2000
2-	FCRA रजिस्ट्रेशन	063310064 वैद्यता 31/10/2016
3-	समिति का पेनकार्ड	AAAAM5141M
4-	समिति का 12 A	12A/56/04–05
5-	समिति का 80 G	80G/206/11–12/510
6-	TDS रजिस्ट्रेशन	JBPM06561C
7-	NCVT रजिस्ट्रेशन	223380005
8-	महिला बाल विकास द्वारा मान्यता	2014–15
9-	समिति का ISO सर्टिफिकेट	ISO 9001:2008
10-	समिति की बेवसाईट	www.mjvs.org.in
11-	समिति के कुल साधारण सभा सदस्य	13 महिला 05 पुरूष 08
12-	12 प्रबंध समिति के कुल सदस्य	07 महिला 03 पुरूष 04

i"BHkfe &

मध्य प्रदेश की उत्तरी पूर्वी दिशा में जबलपुर सम्भाग का कटनी जिला बुन्देलखण्ड, बधेलखण्ड या महाकौशल क्षेत्र के अर्न्तगत आता है। जिले का प्रमुख भाग सोन तथा महानदी के कछार मे है। टमस नदी का उद्गम स्थल कैमोर की पहाडियों तथा विध्यांचल की पहाडियों से घिरा यह क्षेत्र शुष्क पतझड़ वाले वनों से आच्छादित है। इस क्षेत्र मे विंध्य शैल समूह की चटटानें पाई जाती हैं। यहाँ बॉक्साइट, चूने तथा सीमेन्ट का पत्थर और संगमरमर का यहाँ प्रचुर भण्डार हैं। सोन तथा महानदी के कछार की रेत का व्यापार बडी मात्रा में किया जाता है। बघेलखण्ड के क्षेत्र में मुख्य रुप से कोल, गोंड, भूमिया, बैगा तथा आदिवासी जातिया रहती हैं। पूरे क्षेत्र में लगभग 40 प्रतिशत कोल आदिवासियों का निवास है इसलिए इसे आदिवासी क्षेत्र माना जाता है। इनके अतिरिक्त सामान्य, दलित एवं पिछडा वर्ग के भी लोग निवास करते हैं।

पठारी तथा आदिवासी क्षेत्र होने के बावजूद यहॉ पारम्परिक तरीके से खेती नहीं की जाती। रासायनिक खाद तथा कीटनाशक रासायनों का उपयोग अधिक किया जाता है। यह क्षेत्र गेहूँ, चना, मसूर तथा दलहनों के उत्पादन के लिए प्रसिद्व रहा है। कोयले की खदानों के कारण सब्जियों का उत्पादन भी प्रचुर मात्रा मे होता है। जिले की सीमा पर बाणसागर बॉध बनने के कारण यहॉ की खेती और वनों पर इसका विपरीत प्रभाव हुआ है। पास के जिले उमरिया में टाइगर प्रोजेक्ट के अन्तर्गत बॉधवगढ राष्ट्रीय अभ्यारण्य बनाया गया है जिसके कारण वन में रहने वाले आदिवासियों का जीवन प्रभावित हुआ है। इस क्षेत्र से लगे हुए वनों में किसी समय सफेद शेर पाये जाते थे । साल, सागौन , हर्रा तथा तेंदू यहाँ की मुख्य वनोपज है।

सामाजिक कुरीतियों तथा परम्परागत रुढियों से आज भी समाज मुक्त नही हुआ है। सामाजिक दृष्टि से महिलाओं और बच्चों की स्थिति शोचनीय है। बाल मजदूरी तथा महिलाओं द्वारा खेतिहर मजदूरी जीविका का साधन है। लोगों की आर्थिक स्थिति कमजोर है। शिक्षा का अभाव है तथा उसके प्रति जागरुकता भी नहीं है। महाकौशल क्षेत्र भौगोलिक रूप से जंगली, उबड़–खाबड़, पहाड़ी इलाका है, जिससे यहां की आजीविका वन उपज और वर्षा आधारित खेती पर निर्भर बैगा समुदाय जिन्हें राष्ट्रीय मानव का दर्जा प्राप्त है वह बैगा बाहुल्य क्षेत्र आज विलुप्त होने के कगार पर है।

lfefr dk fotu ,oa fe'ku &

nf"V (Vision) : – गरीबी उन्मूलन की दिशा में प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन पर क्षमता वृद्वि कर जीवकोपार्जन के साधन खडे करना ।

y{; (Mission) : – प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन को सुचारू रूप से संचालित कर गरीबी उन्मूलन की दिशा मे आगे बढ़ना जिससे समाज मे स्वच्छता, रचनात्मक कार्यों की क्षमता का विकास हो। स्वरोजगार की दिशा मे प्रशिक्षित होकर स्वांलम्बी समाज का निर्माण करना ।

lfefr dk ifjp;

महाकौशल अंचल के पिछड़ी जनजाति बैगा एवं अन्य समुदाय के जीवन व भोजन के लिए परियोजना के उद्वेश्य से भूमि आधारित अर्थव्यवस्था को विकसित करने हेतु परियोजना का संचालन द्वारा संचालित किया गया है। समुदाय के मध्य जीविकोपार्जन के संसाधन जल, जंगल और जमीन पर लोगो के परम्परागत अधिकार की पुनर्स्थापना के जमीनी स्तर पर प्रेरक कार्यो को मजबूत बनाने के लिए व्यापक रूप से शासन एवं प्रशासन स्तर मे दबाव बनाने हेतु रचनात्मक कार्य करने का मुख्य उद्वेश्य रहा है वनाधिकार अधिनियम को कार्यक्षेत्र मे लागू कराने हेतु पंचायत प्रतिनिधि एवं प्रशासन के साथ संवाद स्थापित कर दबाव बनाना एवं साथ ही नेतृत्व क्षमता का विकास करने हेतु समय–समय पर प्रशिक्षण एवं सम्मेलन, एक्सपोजर विजिट जैसे कार्यक्रम का आयोजन करना तथा समुदाय के अर्थव्यवस्था को विकसित करने हेतु स्वसहायता समूह, परस्पर सहयोग समूह को बैंक से जोड़कर बैंको से सहायता प्राप्त कर आर्थिक कार्यक्रम चलाना भूमि सुधार, जलसंरक्षण ग्रामीण अर्थव्यवस्था की पुनः संरचना परियोजना आधारित कार्य दस्तावेजीकरण एवं जनवकालत कार्यक्रम संचालित कर समुदाय के जीवन स्तर को सुद्वढ़ बनाने के लिये कार्यक्षेत्र मे जमीनी स्तर पर प्रेरक के रूप मे कार्य किया गया है।

Vfux lUVj %& संस्था के पास 30 एकड़ भूमि है। इसी भूमि पर संस्था का कार्यालय 2 कमरों पर है, प्रशिक्षण हाल है जिसमे लगभग 200 लोगों को बैठाकर प्रशिक्षण दिया जा सकता है, एक छोटा प्रशिक्षण हाल है जिसमे 30 लोगों को बैठका प्रशिक्षण दिया सकता है।

vkokl h; 0;oLFkk :– अतिथि भवन जिसमे 4 कमरे अटैच है, आवासीय भवन 2 बड़े हाल है जिसमे 100 लोगों को रूकाया जा सकता है एवं 5 छोटे कमरे जिसमे 50 लोगों को रूकाया जा सकता है, किचिन के बाजू से टीन सेड बना है जिसमे 200 से 250 लोगों को बैठाकर भोजन कराया जा सकता है तथा किचिन कक्ष भी उपलब्ध है, स्टॉफ रूम तथा महिला रूम अलग से है ।

lfefr e miyC/k lfo/kk; %&

d	lk/ku	l[;k	llk/ku	fooj.k
1	आवासीय	1	हाल 60X20 फीट	150 लोगों के बैठने की क्षमता दरी बिछाकर
		2	गेस्ट रूम	2 रूम अटैच 4 लोगों की क्षमता
		3	कमरा	7 रूम एक कमरे मे 17 लोगों की क्षमता
		4	डोरमेट्री महिला	20 लोगों की क्षमता अटैच
		5	डोरमेट्री पुरूष	20 लोगों की क्षमता अटैच
		6	लैट्रिंग बाथरूम	अटैच कमरों को छोड़कर बाहर
				लैट्रिंग रूम–8, बाथरूम–8
		7	ज्ञानमंदिर	10 लोगों की सोने की क्षमता व 20 लोगों की बैठक व्यवस्था
		8	एलवेस्टर सेड	30 बाई 60 फिट
2	आवसीय व्यवस्था	1	गद्दा रजाई सेट	150 नग
		2	सिनटेक्स टंकियां	5 नग
		3	ट्यूबवैल	1 नग
		4	कुंआ	2 नग मोटर सेट के साथ
		5	जनरेटर	1 नग
		6	दरी	15 नग छोटी बड़ी सहित
3	भोजन व्यवस्था		खाना बनाने, बर्तन के साथ परछाई मे बैठकर खाने की सुविधा 150 लोगों के	
4	आफिस सेक्टर	1	डिस्कटॉप कम्प्यूटर	6
		2	प्रिंटर	2
		3	लैपटॉप	2
		4	स्कैनर	1
		5	टेबिल कुर्सी	10 सेट
		6	अलमारी	4 नग
		7	इंटरनेट सुविधा	हां (ब्राडबैण्ड कनेक्शन)
		8	इनवर्टर सुविधा	हां
		9	कुर्सी फाईवर	26
		10	कुर्सी तांत वाली (बुनाई वाली)	7
		11	कुर्सी लोहे वाली	1
		12	कुर्सी लकड़ी वाली	2
		13	कुर्सी व्हील	2
		14	कुर्सी कम्प्यूटर वाली	3
		15	BSNL&AIRTEL मोबाईल की कनेक्टिविटी उपलब्ध है।	
5	आवागमन के साधन	1	मोटर साईकिल	2
		2	साईकिल	6
		3	टेम्पोट्रेवल्स	1
		4	ट्रेक्टर ट्राली सहित	1

lfefr dk dk;{k= %&

Ø-	ftyk	Cykd	Xkko
1	कटनी	बड़वारा	126
2	डिण्डौरी	समनापुर	40
		बजाग	20
3	मण्डला	बिछिया	10
		मवई	10
4	बालाघाट	बैहर	30
		लांझी	20
5	उमरिया	मानपुर	03
6	रायसेन	ओबेदुल्लागंज	03
7	उदयपुर	कोलियारी	01
8	अलवर	राजगढ	02
9	बागेश्वर	कपकोट	05
d|y	9	12	270

उपरोक्त कार्यक्षेत्र के अलावा स्कॉलरशिप, एकता लोक कलां मंच, भूमि अधिकार अभियान शोध, नेशनल एडवोकेसी एवं नेटवर्किंग, स्थानीय प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन आदि विषयों पर भी संस्था कार्यकर्ताओं के द्वारा काम कर रही है ।

m)s';%& ¼lfefr fuEu m)s';ks ij dk;Z djrh g½

- प्रशिक्षण – (जैविक कृषि, वृक्षारोपण, नर्सरी एवं जड़ी बूटियों का संग्रह एवं संवर्धन का क्षेत्र में प्रचार प्रसार ।
- वन अधिकार अधिनियम। वनवासियों को वन तथा वनोपज के लिये उचित अधिकार दिलाना।
- पंचायतीराज मे महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम। समाज में महिलाओं को सम्मान तथा अधिकार दिलवाने के लिये शिक्षा तथा ज्ञान का प्रचार प्रसार कर उनकी समझ विकसित करना।
- शिक्षा (एक घुमक्कड़ जनजाति के बच्चों का स्कूल) बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये प्रयास करना।
- स्वास्थ्य (जिला स्वास्थ्य विभाग से मान्यता प्राप्त) ब्लॉक एम.जी.सी.ए. सदस्य के रूप मे कार्य कर रहे है।
- संगठनात्मक बैठक। स्थानीय संसाधनों पर लोगों का अधिकार एवं प्रबन्धन।
- विलेज टूरिज्म।
- सामाजिक कल्याण के लिये अन्याय एवं शोषण के विरूद्ध लोक चेतना जागृत करना।
- पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त कर उसके संरक्षण के प्रयास करना।
- स्थानीय कला एवं संस्कृति का संरक्षण एवं अभिवृद्धि।
- रचनात्मक कार्यों की सहायता से समाज परिवर्तन की दिशा में कार्य करना।
- शिक्षण और प्रशिक्षण के द्वारा युवाओं की आजीविका सम्बन्धी समस्यायों के समाधान का प्रयास करना।
- समाज में गांधी विचार का प्रचार प्रसार कर शांति, अहिंसा और प्रेम की भावना जागृत करना।
- गावों में एकजुटता की भावना लाकर सत्य अहिंसा पर आधारित समाज निर्माण हेतु सार्थक पहल कराना ।

lfefr dh izeq[k xfrfof/k;k &

ikdfrd lalk/ku izcU/ku& प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन की दृष्टि से भूमि प्रबन्धन, जल प्रबन्धन, स्वच्छता एवं कचरा प्रबन्धन, वर्मी कम्पोस्ट , जैविक कृषि, नर्सरी, कम्पोस्टपिट, वृक्षारोपण, जड़ीबूटी संग्रह एवं संवर्धन तथा के कार्य किये गये।

Hkfe izcU/ku & संस्था के पास 30 एकड़ भूमि है जो चारों ओर फेसिंग तथा 1500 सागौन के पेड़ो से घिरी है। 27 एकड़ भूमि में निम्नानुसार व्यवस्था की गयी है :–

- 10 एकड़ भूमि में जैविक कृषि की जाती है, जिसमें फसलों के अनुसार गेहूँ, धान, कोदो, चना, जौ उगाया जाता है। सब्जियों में आलू, टमाटर, बैगन, बरबटी, लौकी, प्याज, हल्दी, शलजम, गाजर, मूली, खीरा, पपीता तथा अन्य मौसमी सब्जियां उगायी जाती हैं।
- वर्मी कल्चर के लिए तीन पिट क्रमशः सिंगल पिट, डबल पिट तथा 4 पिट बनवाए गए हैं। ये पिट 12.2 तथा 2.5 फिट के अनुपात में है।
- नाडेप कम्पोस्ट के लिए 5,10,15 फिट के दो पिट बनवाए गये हैं।
- 2 चीकू, 15 जामुन, 20 सिल्वर ओक, 2 महुआ के पेड़ हैं।
- 5 एकड़ भूमि में सन् 2000 में अध्यक्ष राजगोपाल पी0 व्ही0 के प्रोत्साहन पर जनसहयोग से श्रमदान कर एक एकड़ में तालाब बनाया गया तथा 150 बांस के पौधे लगवाए गए, जिनकी संख्या आज बढ़कर 10,000 हो गई है। इसके अतिरिक्त नीम, पलाश, पीपल, बेर, कनेर, सागौन तथा मोजियन के पौधे लगाए हैं जो आज पूर्ण विकसित होकर लहलहा रहे हैं।

LoPNrk ,oa dpjk izcU/ku %&

गाँधी जी के दैनिक कार्यक्रमों में सफाई अति आवश्यक कार्य था। उन्हीं आदर्शो का पालन करते हुए संस्था गॉवों में शिविर का आयोजन कर सफाई प्रशिक्षण देने का कार्य करती है। कचरा तथा गोबर गड्ढ़ों में डलवाकर सफाई तथा खाद बनाने की प्रक्रिया समझाई जाती है। कचरे का प्रबन्धन आज विश्व के सभी देशों में एक बड़ी समस्या है। संस्था अपने क्षेत्र के सभी गॉवों में प्रतिवर्ष सफाई अभियान चलाते है।

- संस्था अपने कार्यक्षेत्र के गॉवों में अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में सफाई तथा कचरा प्रबन्धन प्रशिक्षण का आयोजन करती है।
- कचरे के प्रबन्धन के लिए लोगों को नाडेप पिट बनाकर उसमें कचरा डालने के लिए समझाया जाता है।

tSfod df"k dk c<kok nuk – जैविक कृषि को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण के माध्यम से बताया जाता है कि आपको जैविक खाद का प्रयोग करना है जिससे देखा जाता है कि भाासकीय खाद के प्रयोग से कही ज्यादा उपज जैविक खाद के प्रयोग से होती है। आपको कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट का खाद आसान तरीके से प्राप्त हो जायेगी जिसके माध्यम से आप अधिक से अधिक उपज प्राप्त कर सकते है। तो आपको प्रशिक्षण से जाते ही जैविक कशि को अपनाना है ।

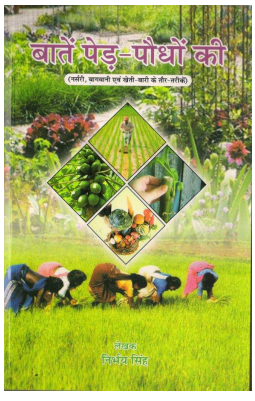

fctkjh& संस्था के केन्द्र स्थल पर जैविक कृषि के अन्तर्गत धान और गेहूँ की खेती की गई। इसके अतिरिक्त अरबी, लौकी, आलू, प्याज, अदरक, मिर्च तथा हल्दी लगाई गई है तथा इसके अलावा वर्मीकम्पोस्ट, कम्पोस्ट, नर्सरी, वृक्षारोपड़ किया गया।

Ok{kkjksi.k & वृक्षारोपण की दृष्टि से सागौन, खम्हेर, कटंगा बांस, ग्लिरीसीडिया, करंज, आवला, आम, कटहल, काजू, नींबू, स्वर्णलता, अमरूद, अर्जुन, केसिया सेमिया, बकायन, कचनार, मीठी नीम, नीम, पपीता, जामुन इत्यादि पौधे लगाये गये।

tMh cVh lxg ,o lo/ku

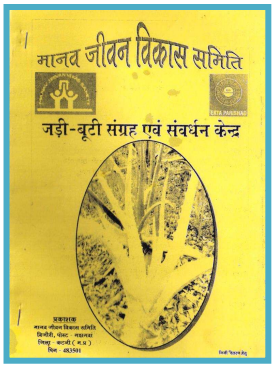

दुर्लभ जड़ीबूटी कलिहारी जिसे बचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसका उपयोग यदि कील या धातु जैसे सुई पैर में चुभ जाता है तो कलिहारी कन्द को घिसकर लगा देने से कील या सुई बाहर निकल आती है एवं दर्द दूर हो हो जाता है तथा सुखपूर्वक प्रसव होने में भी सहायक होता है।

क्षेत्र के लोंगो को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने की दृष्टि से संस्था ने 1 वैद्य की व्यवस्था की है जो गाँव–गाँव घूमकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध करवाते हैं। उपचार के लिए जड़ी बूटियों का उपयोग किया जाता है। कई असाध्य रोग भी उनके उपचार से ठीक हो गये हैं। क्षेत्र में श्वास तथा पेट सम्बन्धी शिकायतें अधिक है। शिक्षा के अभाव के कारण स्वास्थ्य सम्बन्धी चेतना का क्षेत्र में अभाव है। स्वास्थ्य प्रबन्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत केवल मनुष्यों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान देते हुए लोगों को स्वास्थ्य के सम्बन्ध मे जानकारी दी गई।

ipk;rhjkt ,o efgyk l'kfDrdj.k dk;Øe %& dVuh ¼cMokjk½

ftyk	tuin ipk;r	ipk;r	Xkko	efgyk tuifrfuf/k
dVuh	cMokjk	50	126	352

महिला जनप्रतिनिधि सशक्तिकरण कार्यक्रम एवं साझा मंच कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है – कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक के 50 पंचायतें 126 गांवों मे 352 महिला जनप्रतिनिधियों के साथ सघन रूप से मानव जीवन विकास समिति द्वारा हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग से कार्य किया जा रहा हैं। दोनो ब्लॉक मे जागृति महिला पंच सरपंच संगठन का निर्माण किया गया है संगठन के माध्यम से पंचायत स्तर की समस्याओं को सुलझाया जा रहा है।

efgyk l'kfDrdj.k dk;Øe ls lkekftd fodkl %& पंच सरपंच के पद पर जीती महिलाएँ घर से बाहर निकलकर सामाजिक शसक्तिकरण का कार्य कर रही हैं। सामाजिक बंधनों मे समाज जकड़ा हुआ है लेकिन कुछ ऐसे भी बंधन है जिसके कारण से महिलाओं का विकास भी प्रभावित होता था इसको ध्यान मे रखते हुए आज महिलाऐं घर से बाहर निकलना चाहती है वे जानती है कि बिना घर से निकले विकास नही हो सकता है। पुरानी घूंघट प्रथा को महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के माध्यम से दूर किया जा रहा है और महिलाऐं अब घर से बाहर निकलकर अपने अधिकारों की लड़ाई कर रही है। यहा तक की अपने अधिकारों के लिए अधिकारी कर्मचारी के मिलने स्वयं जाती है।

xfrfof/k dk uke % & ifjp; lEesyu

- स्थान : बड़वारा
- दिनांक – 31 मार्च 2015
- गतिविधि का दिनांक पंचायत वार उपस्थिति का विवरण निम्न है–

Ø-	fnukd	xfrfof/k;k dk uke	ipk;r dk uke	Lkjiap	mi Lkjiap	ip	vU; efgyk	LVkQ	dy
1	31.03.2015	परिचय सम्मेलन	50 पंचायत	17	10	176	03	06	212

ifjp; lEesyu dk ,tsaMk &

- महिला जनप्रतिनिधियों का परिचय,
- चुनाव अनुभव की शेयरिंग,
- महिलाओं के अधिकार एवं आरक्षण क्या है,
- सरकारी अधिकारियों से संवाद।

,tsaMk vuqlkj ppkZ dk fcUnq &

मानव जीवन विकास समिति, बिजौरी द्वारा द हंगर प्रोजेक्ट भोपाल के सहयोग से पंचायत चुनाव मे महिला पंच, सरपंच, उपसरपंच पद पर निर्वाचित होने पर बधाई (परिचय) समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। महिला जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व विकास हेतु परिचय, संवाद कराया जाना है।

सबसे पहले कार्यक्रम का परिचय कार्यक्रम टीम से रामकिशोर रैदास कार्यक्रम समन्वयक मानव जीवन विकास समिति द्वारा दिया गया कि यह परिचय सम्मेलन नव निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों का किया जा रहा है । समिति महिला सशक्तिकरण का काम कर रही है और हम कार्यकर्ताओं द्वारा महिला जनप्रतिनिधियों के विकास के लिए गांव मे जागरूकता कार्यक्रम चलाये जायेंगे, महिला नेतृत्व कार्यशालाये आयोजित किये जायेंगे। ग्रामसभा मोबलाईजेशन एवं ग्रामसभा फॉलोअप कार्यक्रम भी चलाये जायेंगे। आप सभी महिला जनप्रतिनिधियों का सहयोग समिति को चाहिए।

परिचय समारोह मे कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक की 42 ग्राम पंचायत से लगभग 205 महिला जनप्रतिनिधियों की भागीदारी रही है। महिलाओं ने अपना परिचय अपना नाम, पद, गांव एवं अपने चुनावी अनुभव के साथ रखा। यह भी कहा गया है कि इसी प्रकार से कार्यक्रम आयोजित होते रहे हमारी भागीदारी बनी रहेगी आपका सहयोग हमारे लिए महत्वपूर्ण है।

मानव जीवन विकास समिति सचिव श्री निर्भय सिंह के द्वारा संस्था का परिचय दिया गया बताया गया कि संस्था विगत कई वर्षो से महिला सशक्तिकरण का काम कर रही है महिलाओं को आगे बढ़ाने विकास कार्यक्रम चलाया जा रहा है। महिलाओं के अधिकार, आरक्षण तथा नेतृत्व विकास की बात किया जा रहा है। पंचायतों मे ग्रामसभा के अधिकारों के बारे मे महिलाओं को जागरूक करने का काम किया जा रहा है।

द हंगर प्रोजेक्ट भोपाल से सुश्री नताशा शर्मा बहन जी द्वारा द हंगर प्रोजेक्ट के बारे मे बताया गया कि संस्था म.प्र. के 8 जिलों मे 4000 महिला जनप्रतिनिधियों के साथ महिला नेतृत्व विकास के कार्य कर रही है। महिलाओं के अधिकार एवं महिला सशक्तिकरण के काम किये जा रहे है।

पूर्व महिला जनप्रतिनिधि बिलायतकलां सरपंच श्रीमती कृष्णा सिंह, पथवारी सरपंच श्रीमती प्रभा सिंह, लखाखेरा सरपंच श्रीमती तुलसा बाई ने अपने–अपने परिचय पूर्व कार्य एवं फेडरेशन के बारे मे भी बताया कि महिला जनप्रतिनिधियों का ब्लॉक स्तर पर संगठन बनाया जाता है जिसमे आप संगठन के मदद् से जनपद, जिला तक पहुंच कर अपने अधिकार की मांग कर सकते है। प्रभा सिंह ने बतायी कि मै भी जब पहली बार पंचायत चुनाव मे सरपंच पद पर जीतकर आयी थी तो मै कुछ नही जानती थी धीरे–धीरे संस्था के सम्पर्क मे आने से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो गई और स्वयं अपनी पंचायत चलाने लगी हूं। मेरे साथ मेरे पति शुरूआती दौर पर गये है जनपद जिला मे अधिकारियों से बातचीत कराने मे मदद् करते थे। अब मै अकेले सभी जगह जाती हूं अपना काम करा लेती हूं। आशा करती हूं कि आप लोग भी इसी प्रकार से आगे बढ़े।

बड़वारा जनपद से निर्मल भारत अभियान की ब्लॉक समन्वयक श्रीमती बबीता सिंह ने सभी नवनिर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों को बधाई दी। बताया गया कि आपकी इस भीड़ को देखकर मुझे लग रहा है कि आप लोग गांव के लिए प्रेरणाश्रोत बन सकते है। आपके द्वारा ही गांव का विकास होगा, जैसा कि आप सभी को मालूम है कि महिलाओं की मर्यादा से शौचालय की बात जुड़ी हुई है आप सब लोग गांव के लोगों को खासकर महिलाओं को प्रेरित करें कि घरों मे शौचालय बनवाये इसमे शासन द्वारा भी

जो भी राशि प्रोत्साहन के रूप मे दी जाती है उसका भी लाभ लें। इससे शौचालय ही नही बनेगा बल्कि आपकी मर्यादा भी बचेगी।

द हंगर प्रोजेक्ट भोपाल से सुश्री शिबानी शर्मा बहन जी द्वारा सभी को उद्‌बोधित करते हुए संस्था का परिचय मे बताया गया कि द हंगर प्रोजेक्ट भोपाल द्वारा म.प्र. के 8 जिलों मे 4000 महिला जनप्रतिनिधियों के साथ महिला नेतृत्व विकास के कार्य कर रही है। महिलाओं के अधिकार एवं महिला सशक्तिकरण के काम किये जा रहे है। महिलाऐं अपने अधिकार को जाने वह स्वयं अपने पद का उपयोग करें और विभिन्न प्रकार के महिला विकास की योजनाओं का भी लाभ गांव की महिलाओं को जोड़कर दिलाये। महिला जनप्रतिनिधियों को शसक्तिकरण की बारीकियों को भी बताया गया। शिवानी बहन जी द्वारा यह भी बताया गया कि आपको सीखने के मौके मिलते रखेंगे आप दिल्ली, भोपाल भी सीखने के लिए जायेंगे। आप अकेले नही है आपके साथ बहुत सारी महिलाऐं जो सीखकर आगे आयी है तथा दूसरों को भी सिखाने का काम कर रही है।

cBd dh e[; miyfC/k &

- महिलाओं मे ताकत आई, महिलाओं अपने अधिकारों को जान पायी,
- घर से बाहर निकलने की ताकत मिली, महिलाओं मे सीखने की शक्ति का विकास हुआ।
- गांव की जागरूक महिलाऐं निकलकर सामने आई, महिलाओं मे अपने अधिकार के प्रति लड़ने मे ताकत मिली, मुद्‌दों को सामूहिक रूप से हल कराने मे समझ बढ़ी।

tuifrfuf/k dh lh[k &

- ❖ महिलाओं को भी अधिकार और आरक्षण मिला है। पुरूषों से हम कम नही है।
- ❖ गांव की अन्य महिलाओं को भी जागरूक करने का काम करेंगे।
- ❖ संगठन मे शक्ति होती है । लोगों को ग्रामसभा की उपयोगिता समझ मे आई।
- ❖ संगठन बनाकर समुदाय के लोगों को जागृत किया जायेगा।

ifj.kke &

- गांव की सरपंच, पंच, उपसरपंच एवं अन्य जागरूक महिलाओं सहित 205 महिलाओं का जुड़ाव।
- महिलाऐं अपने अधिकारों को जान पायी।

foyst VfjTe ¼xfjek ifj;kstuk½ &¼ ,d lkekftd vkj lkLdfrd vnku&inku½

उद्धेश्यः– व्यापक उद्धेश्य मजबूत बनाने और सामाजिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान और आर्थिक सहायता के माध्यम से लोगों के गरीबी को दूर करना ।

विशिष्ट उद्धेश्य – आर्थिक सेवा लागत और ग्राम विकास निधि के रूप में ग्रामीणों को आर्थिक सहायता यात्रा लागत की कुल लागत का 8–10 प्रतिशत स्थानीय बाजार के उत्पादों, दोनों कृषि और आगंतुकों के साथ जोडने के द्वारा गैर–कृषि को बढावा देने के लिए कार्य किया जा रहा है ।

- ➢ राजनीतिक सशक्तिकरण ग्रामीणों को जुटाने और ग्रामीणों के बीच के आयोजन की प्रक्रिया को एक आदर्श गॉव बनाने के लिए भी कार्य किया जा रहा है।
- ➢ समाजिक और सांस्कृतिक सीखने और ग्रामीणों और आगंतुकों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन की बातचीत चर्चा और सांस्कृतिक आदान–प्रदान की गतिविधियों के माध्यम से साझा करने के दो तरीके हैं ग्रामीणों और आगंतुकों को बेहतर समझ है और सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाओं को दूर करने के क्रम में और मतभेद की स्वीकृति और सम्मान में वृद्धि कर सकते हैं ।

xfjek ifj;kstuk के अन्तर्गत संचालित परियोजना के माध्यम से आगन्तुक विदेशी बन्धुओं को निम्न स्थानों मे विजिट कराया जाता है जैसे दिल्ली, आगरा, उदयपुर, जयपुर, भोपाल, कटनी, उमरिया, रायसेन, हिमालय एवं काठगोदाम मे विलेज टूरिज्म पर विजिट कराया जाता है।

o"k 2015 e QkUl vkj cfYt;e l vk; fon'kh cU/kvk dk 0;kjk fuEu idkj g&

Groups	Tour	Number of travellers	Total number of day in the tour
G43	RH 17J	7	17
G44	Youth	9	10
G45	RJ 15J	3	15
G46	RJ 15J	6	15
G47	CIR 20J	7	20
G48	RAJ 15J	5	15
G49	CIR 20J	6	20
G50	CI 15J	8	15
G51	SP 30J	4	30
G52	CIR 20J	5	20
G53	CI 15J	4	15
G54	CIR 20J	8	20
12		**72**	**212**

f'k{kk lgk;rk%&

Education Fund 2015-16

SN	Receiver	Place	Perpose
1	Shristi Sargam	Bihar	Self Education
2	Sunil Sharma	GWL	Child Education
3	Mohammad Khan	CG	Child Education
4	Devendra Singh Bana	GWL	Child Education
5	Vinod Kumar TK	Bhopla	Child Education
6	Vinoba Ashram Bihar	Bihar	Suryanarayan
7	Surendra Kashyap	Kotmi CG	Child Education
8	K Banupriya	Ayanavaran	Child Education
9	M Rajeswari	Ayanavaran	Child Education
10	Geeta Bahan for Tangaraju	Ayanavaran	Child Education
11	Prashant Kumar PV Relative	CG	Child Education
12	MJVS worker 500@6	Katni	Diwali Celibration
13	K Yadav Raju	Telangana	Child Education
14	Suryanarayan Bharti	Bihar	Child Education
15	Jhalak Ram Yadav	Tilda	Child Education

fjLd Q.M lkV &

Risk Fund Support 2015-16

SN	Receiver	Place	Perpose
1	Bijoy Pradhan	Orissa	Risk Support
2	P Raju	TN	Risk Support
3	Thangaraju Bhai BMK	TN	Risk Support
4	Bhavesh Chandra Bhai	Bihar	Risk Support
5	Kuldeep Tiwari	GWL MP	Risk Support
6	Pavitran Irity Ji	Kerla	Risk Support
7	R Anbalagan Ji	Karaikal poart	Risk Support
8	Tahir Bhai	MP	Risk Support
9	Biju Palghat(Arumugham P)	Kerla	Risk Support
10	VB Chandrasekharan	Pitapura	Risk Support
11	Raghuveer Das Mahant	Udaypur Sarguja	Risk Support
12	Rukmani Bhargaw	Bhopal	Risk Support
13	Ramesh Chandra Sharma	New Delhi	Risk Support
14	Raghunath Nai	Majhagawan	Risk Support
15	VB Chandrasekharan	Pitapura	Risk Support
16	Mukesh Shakya	Katni	Risk Support
17	Aneeta Singh	Katni	Risk Support
18	Ravi Yadav	New Delhi	Risk Support
19	Prashant Kumar PV	Tilda	Risk Support
20	R K Sundaran Ji KGNS	Kerala	Risk Support
21	Aneswari SHG	Ramanattukara	Risk Support
22	Santosh Ahirwar	Damoh	Risk Support
23	Swati Kapoor	Delhi	Risk Support
24	Ramesh Anjani	Teekamgarh	Risk Support

e/keD[kh ikyu &

मानव जीवन विकास समिति द्वारा मधुमक्खी पालन का कार्य किसानों के सहयोग से प्रारम्भ किया गया संस्था के पास 200 बाक्स उपलब्ध है जो कि कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक के 5 गांव के 20 किसानों को 99 बाक्स देकर मधुमक्खी पालन का कार्य प्रारम्भ किया गया था। बाकी के बाक्स सेंटर पर ही रखे गये थे। मधुमक्खी की असुविधा के कारण ये बाक्स से मधुमक्खी की संख्या कम होने से 39 बाक्स गोरखपुर मे सिफ्ट किये गये जिससे वहां से 1 वर्ष मे 1 क्विंटल 16 किलोग्राम शहद का उत्पादन हुआ है। इस कार्य की सराहना की रही है।

Hkhe dkVh & मानव जीवन विकास समिति द्वारा किसानों को खेती कार्य हेतु हल एवं बैलों तथा खाद, बीज की व्यवस्था कर लोगों को सपोर्ट कर उनके जीवन मे सुधार लाया गया है।

u'kuy DokfMu'ku & लोगों की समस्या समाधान के लिए Mk- ih-oh- jktxkiky th के द्वारा दुनिया मे घूम–घूम कर समस्या समाधान का प्रयास किया जा रहा है।

vU; xfrfof/k;k %&

I xBukRed cBd&

I pkfyr vkfFkd dk;dze efgyk I egk dh tkudkjh egkdk'ky ¼e0i0½

d-	Lkeg dk uke	InL; I[;k	orleku I pkfyr xfrfof/k;k	orleku cpr jkf'k	tukns'k e Hkkxhnkjh	Tku IR;kxg e Hkkxhnkjh	Hkfo’; e dkSu Ih xfrfof/k;k I pkfyr djuk pkgr g	I xBukRed miyfC/kh
1	लक्ष्मी महिला समूह	10	मध्यान्ह भोजन स्कूलों में दे रहे हैं ।	1455.00	3 पुरूश 1 महिला	4 पुरूश	हल्दी मसाला चक्की लगाना चाहते हैं ।	1. वन भूमि पर कब्जा कर खेती करना । 2. मध्यान्ह भोजन संचालित करना । 3. अगरबत्ती निर्माण करना । 4.रैली, सभा , आन्दोलन में भाग लेना ।
2	दुर्गा महिला समूह	14	हाथों से दोना पत्तल बनाकर बेचते हैं ।	850.00	8 लोग महिला पुरूश	10 लोग	मछली पालन बकरी पालन	1.जंगल के अंदर वन भूमि पकडे हैं । 2. मासिक बैठक करते हैं । 3. मानव जीवन विकास समिति की रैली, धरना सभा में भाग लेना ।
3	कटनापानी महिला समूह	18	कुंआ खोदे हैं अपने खेतों पर सब्जी भाजी लगाकर बेचते हैं ।	7000.00	8 महिला	5 महिला	डीजल पंप, बीज भंडारन करना चाहते हैं, क्योंकि कुंआ खोद चुके हैं ।	1.वनभूमि पर खेती 2. पट्टे के लिए कार्यवाही किये हैं । 3. कलेक्टर एवं जिलाप्रशासन निरंतर संवाद कर रहे हैं । 4. मानव जीवन विकास समिति के संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं । 5. अनाज कोश को ग्राम कोश बनाया ।
4	लक्ष्मी महिला स्व सहायता समूह	14	साझा चूल्हा आंगनबाडी में खाना बनाकर देने का कार्य चल रहा है ।	3000.00	7 पुरूश 1 महिला	7 पुरूश	भंडारन करना चाहते हैं, बैलजोडी सब्जी खेती हेतु ।	1.वन भूमि पर कब्जा । 2. अनाज कोश को ग्राम कोश बनाया । 3. मानव जीवन विकास समिति के संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं । 4.नियमित बैठक करते हैं ।
5	महारानी लक्ष्मी बाई परस्पर सहयोग समूह	19	आपसी लेनदेन चल रहा है ।	3000.00	4 पुरूश 3 महिला	7 पुरूश 3 महिला	अनाज खरीदी बिक्री का काम, सब्जी की खेती करना चहते हैं ।	1.वन भूमि पर कब्जा । 2. अनाज कोश को ग्राम कोश बनाया । 3. मानव जीवन

								विकास समिति के संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं । 4.रामकोठी सरकारी लिये हैं । 5. बीज भंडारन का काम करते हैं ।
6	रानी दुर्गावती परस्पर सहयोग समूह	12	आपसी लेनदेन कर रहे है ।	2000.00	7 पुरूश	3 पुरूश	कुंआ निर्माण कार्य कराना चहते हैं ।	1.वनभूमि काबिज थे, पट्टा मिल गया । 2. गॉव में अनाज कोश को ग्राम कोश बनाया । 3. मानव जीवन विकास समिति की गतिविधियों में शामिल होते हैं ।

bdkukfed xfrfof/k;k & आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र मे हाथ से कपड़ा बनाने का काम किया जा रहा है । इससे लोगों को उद्योगों से जोड़ा गया तथा बाजार उपलब्ध कराया गया जिससे बनाये जा रहे कपड़ा आसानी से बेचा जा सके। मानव जीवन विकास समिति ने विगत वर्षो से लोगों को आजीविका से जोड़ने का प्रयास कर रही है । लोगों को घर पर रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास संस्था द्वारा किया जा रहा है।

cxk fodkl ikf/kdj.k dk;Øe &

vkfFkd dk;dze – समूह का बैठक करके गॉव का चयन किया गया ।
डिण्डौरी – रंजरा – वनोपज संकलन
बालाघाट – बहेराटोला – दोना पत्तल
नवलपुर – सब्जी खरीदी बिक्री
मण्डला – मवई सठिया – गल्ला खरीदी बिक्री, झाडू खरीदी बिक्री ।
चारों गॉव में आर्थिक कार्यक्रम चलाने हेतु समूह का बैठक करके निर्णय लिया गया कि समूह के पास पैसों को इकटठा करके खरीदी बिक्री किया जायेगा एवं उससे आमदनी होगी वह समूह में जायेगा।

jk"Vªh; io %& हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी एवं 15 अगस्त को बड़े धूमधाम से समिति प्रांगण मे मनाया गया। जिसमे गांव के आस पास के लोगों एवं बच्चों तथा स्कूल के शिक्षकों की उपस्थिति भी रही है। बच्चों के उत्साह वर्धन के लिए गीत गाने एवं नाटक जैसे कार्यक्रकों का भी आयोजन किया गया बच्चों का उत्साह बना रहे इसके लिए बच्चों को पानी, पेन, कम्पास आदि वस्तुओं को देकर प्रोत्साहित भी किया गया।

राष्ट्रीय पर्व मनाये जाने का उद्धेश्य समिति के साथी एवं उपस्थित शिक्षक तथा बुजुर्गो के द्वारा बताया गया यह त्यौहार हमारे देश के गणतंत्र होने तथा स्वतंत्रता मिलने के उपलक्ष्य मे इस दिन को बड़े धम धाम से मनाया जाता है।

ehfM;k dojst &

निर्भय सिंह
सचिव
मानव जीवन विकास समिति